EPCH PRESS RELEASE

EPCH ORGANIZED AWARENESS WEBINAR ON "TREND FORECAST – KEY DIRECTIONS - LIFESTYLE: SPRING/SUMMER 2022 HOME DÉCOR, GARDEN ACCESSORIES, LAMP LIGHTING FOR MEMBER EXPORTERS ON ZOOM PLATFORM

NEW DELHI – 12th February'2021 - The Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) today organized an awareness webinar virtually on "Trend Forecast – Key Directions - Lifestyle: Spring/Summer 2022 Home décor, Garden accessories, lamp lighting (utility items in all possible materials, finishes, textures)". Shri Ravi K Passi, Chairman-EPCH, Mr. Raj Kumar Malhotra, Vice-Chairman-EPCH, Mr. Rajesh Jain, COA Member-EPCH and leading large number of member exporters' alongwith Ms. Urvashi Gupta, Account Manager of WGSN for South Asia Region as a "Key Faculty" of the Webinar and Ms. Nishtha Duseja of WGSN were present in the above awareness webinar session. Ms. Urvashi Gupta shared his vast experience in the field of international trend and forecast, said Dr. Rakesh Kumar, Director General-EPCH.

Ms. Urvashi Gupta informed WGSN is constantly monitoring the signals of change that impacts consumer's behavior. Ms. Gupta informed that the WGSN experts connect the dots to accurately predict the products, experiences and services people will need in years to come, helping brands stay relevant and secure their place in the future, said Dr. Rakesh Kumar, Director General-EPCH.

Ms. Urvashi Gupta of WGSN further informed the participants that the pandemic has escalated many of WGSN's forecasts, as wellbeing, comfort, protection and community become amplified consumer priorities. It has changed our future with great societal and economic consequences and has become the catalyst for seismic change across all industries, particularly in the areas of lifestyle and interiors. She informed the participants that our lives will continue to revolve around the home economy for the foreseeable future, and everything we do at home will see a dramatic acceleration. Resource scarcity will result in design re-solutions that focus on regenerative fibers, waste management, circular systems, and supply chains that are both ethical and transparent, said Dr. Rakesh Kumar, Director General-EPCH.

Ms Gupta adding further said the participants at a grassroots level, the rise of homesteading will also see a revival of self-sufficient thrift and a stronger appreciation of locally made artisanal crafts. She informed the likely impact on Spring/Summer 2022 is that consumers will be more cautious, home-wear and interiors will be a bigger focus, and there will be more demand for designs that bring a sense of comfort and joy.

The Handicrafts exports during the year 2019-20 was Rs. 25,270.14 crores and during 1st nine months i.e April-December'2020-21 is Rs. 16940.98 Crores and USD 2268.58 Million informed by Dr. Rakesh Kumar, Director General – EPCH.

For more information, please contact :
Dr. RAKESH KUMAR, DIRECTOR GENERAL – EPCH - +91-9818272171

****

ईपीसीएच प्रेस विज्ञप्ति

ईपीसीएच ने जूम प्लेटफॉर्म पर सदस्य निर्यातकों के लिए "'ट्रेंड फोरकास्ट- की डायरेक्शन्स-लाइफस्टाइल; स्प्रिंग समर 2022 होम डेकोर, गार्डन एसेसरीज, लैंप लाइटिंग" विषयक जागरुकता वेबिनार का आयोजन किया

नई दिल्ली- 12 फरवरी- 2021- हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) ने वर्चुअल मोड पर आज एक जागरुकता वेबिनार का आयोजन किया। "'ट्रेंड फोरकास्ट- की डायरेक्शन्स-लाइफस्टाइल; स्प्रिंग समर 2022 होम डेकोर, गार्डन एसेसरीज, लैंप लाइटिंग (हर वस्तु, फिनिश और टेक्सचर के यूटिलिटी सामग्री)" विषयक इस सेमिनार के में ईपीसीएच के चेयरमैन श्री रवि के पासी, वाइस चेयरमैन श्री राजकुमार मल्होत्रा, सोओए के सदस्य श्री राजेश जैन के साथ ही कई प्रमुख सदस्य निर्यातक सदस्य भी मौजूद रहे। इस वेबिनार में डब्ल्यू जी एसएन की दक्षिण एशिया रीजन की अकाउंट मैनेजर सुश्री उर्वशी गुप्ता प्रमुख फैकल्टी (की-फैकल्टी) और डब्ल्यू जीएसएन की ही निशिथा डुसेजा भी मौजूद रहीं। इस जागरुकता सत्र के बारे में ईपीसीएच के महानिदेशक डॉक्टर राकेश कुमार ने बताया कि इस जागरुकता वेबिनार में सुश्री उर्वशी गुप्ता ने अंतरराष्ट्रीय ट्रेंड और फोरकास्ट के क्षेत्र में अपने विराट अनुभव को सदस्य निर्यातकों से साझा किया।

अपनी बात को विस्तार देते हुए ईपीसीएच के महानिदेशक डॉक्टर राकेश कुमार ने बताया कि सुश्री उर्वशी गुप्ता ने सदस्य निर्यायकों को जानकारी दी कि डब्ल्यूजीएसएन लगातार उन संकेतों को बारीकी से परखता है जो ग्राहक के व्यवहार में बदलाव को दर्शाते हैं। सुश्री गुप्ता ने अपनी बात को विस्तार देते हुए कहा कि डब्ल्यूजीएसएन के विशेषज्ञ बारीक से बारीक कड़ियों और संकेतों इस विशेषज्ञता से जोड़ते हैं कि उन्हें आने वाले वर्षों या समय के उत्पादों, अनुभवों और ऐसी सेवाओं की सटीक जानकारी मिल जाती है जिससे ब्रांड्स प्रासंगिक बनते हैं और भविष्य में भी अपनी जगह बनाते और सुरक्षित रखते हैं।

डब्ल्यूजीएसएन की सुश्री उर्वशी गुप्ता ने आगे बताया कि महामारी ने डब्ल्यूजीएसएन के कई पूर्वानुमानों को बढ़ा दिया है, क्योंकि अब उपभोक्ता प्राथमिकताओं में सुखसुविधा, सेहत और समुदाय की सोच ने बड़ा स्थान ले लिया है। इसने हमारी सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों के साथ हमारे भविष्य को बदल दिया है। इस बदलाव से विशेष रूप से जीवनशैली और इंटीरियर सेक्टर बुरी तरह से प्रभावित और प्रेरित हुआ है। प्रतिभागियों को उन्होंने यह भी सूचित किया कि आने वाले भविष्य में हमारा जीवन घर की अर्थव्यवस्था के इर्द गिर्द घूमेगा और हम घर पर जो कुछ भी करते हैं उसमें बड़े और नाटकीय परिवर्तन आएँगे। डॉ। राकेश कुमार, महानिदेशक-ईपीसीएच ने कहा कि संसाधन की कमी से रेजेनरेटिव फाइबर, अपशिष्ट प्रबंधन, वेस्ट मैनेटमेंट और सर्कुलर सिस्टम और ऐसे सप्लाई चेन का महत्व बढ़ेगा जो वास्तविक, मूल और पारदर्शी हों।

इस वेबिनार सुश्री गुप्ता ने आगे कहा कि जमीनी स्तर पर प्रतिभागियों के आने, स्थानीय और अपने घर में बनी चीजों के उत्थान, आत्मनिर्भरता की भावना बढ़ने से स्थानीय कला और कारीगरों और स्थानीय चीजों का महत्व बढ़ने वाला है। उन्होंने बताया कि स्प्रिंग / समर 2022 के संभावित प्रभावों के बारे में बताया कि अब उपभोक्ता अधिक सतर्क रहेंगे, घर में पहनने वाले और उनका ज्यादा ध्यान स्वदेशी निर्मित इंटीरियर पर होगा। साथ ही ऐसे डिजाइनों की अधिक मांग होगी जो उत्सवधर्मिता और उत्साह की भावना को बल देते हों।

ईपीसीएच के महानिदेशक डॉ. राकेश कुमार ने जानकारी दी कि वित्तीय वर्ष 2019-20 में हस्तशिल्प निर्यात का कुल मूल्य 25,270.14 करोड़ रुपये था और इस वित्तीय वर्ष यानी 2020-21 के पहले नौ महीने यानी अप्रैल से दिसंबर तक का कुल निर्यात 2268.58 मिलियन अमरीकी डालर यानी 16940.98 करोड़ रुपये हुआ है।

ज्यादा जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

डॉ. राकेश कुमार, महानिदेशक, ईपीसीएच - +91-9818272171

****